शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केन्द्र
शुभारंभ
स्वागतम्
स्वागतम्

शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केन्द्र
शुभारंभ
तिथि : 27 जून, 2025

शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केन्द्र
शुभारंभ
तिथि : 27 जून, 2025
(आषाढ़, शुक्ल पक्ष द्वितीया, विक्रम संवत् 2082)
मुख्य अतिथि :
मा० श्री एकनाथ शिंदे जी
उप मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र
SHASTRA MUSEUM
S.M.A.R.C.
शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र
वाराणसी

शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केन्द्र
शुभारंभ
तिथि : 27 जून, 2025
घाव्द-वेदः

शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केन्द्र
शुभारंभ

शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केन्द्र
शुभारंभ
तिथि : 27 जून, 2025
(आषाढ़, शुक्ल पक्ष द्वितीया, विक्रम संवत् 2082)
मुख्य अतिथि :
मा० श्री एकनाथ शिंदे जी
उप मुख्यमंत्री,

शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान के
शुभारंभ
तिथि : 27 जून, 2025
(आषाढ़, शुक्ल पक्ष द्वितीया, विक्रम संवत् 2082)
मुख्य अतिथि :
मा० श्री एकनाथ शिंदे जी
उप मुख्यमंत्री,
विशिष्ट अति
श्री दयाश
आयुष मंत्री,
भागार, श्री
संघ मणिम
मा० श्री एकनाथ शिंदे

शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केन्द्र
शुभारंभ
तिथि : 27 जून, 2025
(आषाढ़, शुक्ल पक्ष द्वितीया, विक्रम संवत् 2082)
मुख्य अतिथि :
मा० श्री एकनाथ शिंदे जी
उप मुख्यमंत्री,

शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केन्द्र
शुभारंभ
तिथि : 27 जून, 2025
(आषाढ़, शुक्ल पक्ष द्वितीया, विक्रम संवत 2082)
मुख्य अतिथि
मा० श्री एकनाथ शिंदे जी
उप मुख्यमंत्री, म

शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केन्द्र
शुभारंभ
तिथि : 27 जून, 2025
(आषाढ़, शुक्ल पक्ष द्वितीया, विक्रम संवत् 2082)
मुख्य अतिथि :
श्री एकनाथ शिंदे जी
उप मुख्यमंत्री,

शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केन्द्र
शुभारंभ
तिथि : 27 जून, 2025
मुख्य अतिथि :
श्री एकनाथ शिंदे जी
उप मुख्यमंत्री,

शुभारंभ
2025

शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केन्द्र
शुभारंभ
तिथि : 27 जून, 2025
(आषाढ़, शुक्ल पक्ष द्वितीया, विक्रम संवत् 2082)
मुख्य अतिथि :
मा० श्री एकनाथ शिंदे जी
उप मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र
अतिथि :

शास्त्र संग्रहालय आणि अनुसंधान केंद्राचे उद्घाटन, वाराणसी

"प्रदर्शनी"
शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र
काशी को क्यों?
शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र
संकल्पना
SHASTRA MUSEUM
शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र
S.M.A.R.C.
AND RESEARCH CENTRE
शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र
वाराणसी
हरि अनंत, हरि कथा अनंता
ईश्वर अनंत हैं – अनंत की कोई गणना नहीं होती है।
वे काल, स्थान और सीमा से परे हैं।

शस्त्र और शास्त्र संपदा के साथ भारत बनेगा विश्वगुरु : एकनाथ शिंदे

बोले डिप्टी सीएम, पावन नगरी काशी में आने का अवसर मिलना सौभाग्य से कम नहीं, शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र का किया उद्घाटन

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि हमारा देश शस्त्र के साथ शास्त्र संपदा के साथ विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है। इसके लिए सरकार और समाज को कंधे से कंधा मिलाकर चलना है। वसुधैव कुटुंबकम की भावना से ओतप्रोत सनातन हिंदू सिर्फ धर्म नहीं सर्व समावेशी समाज के निर्माण का आधार है।

वह शुक्रवार को दुर्गाकुंड स्थित धर्मसंघ सभागार में शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस पावन नगरी में आने का अवसर मिलना किसी सौभाग्य से कम नहीं। इस कार्यक्रम के जरिये खुद को प्राचीन ज्ञान परंपरा से जुड़ा महसूस कर रहा हूं। इसके जरिये युवा अपने प्राचीन ग्रंथों से जुड़ेंगे। शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमें विकास और विरासत का संदेश दिया है।

पुरातन ग्रंथों को डिजिटाइज करने के लिए प्रोत्साहित करने का कार्य पीएम मोदी की योजना का ही प्रमाण है। इससे पहले उन्होंने शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र का शुभारंभ किया। शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र के संस्थापक सनातनी रामानंद तिवारी ने बताया कि शाश्वत ही सनातन और सनातन ही शाश्वत है। आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि शास्त्र के लिए संग्रहालय का शुभारंभ आने वाले दिनों में लोगों को अपने ग्रंथों के प्रति आकर्षित करने का काम करेगा। केंद्र के अध्यक्ष भुजंग बोबडे ने कहा कि काशी क्षेत्र ज्ञान आचमन का प्रमुख केंद्र है। इस दौरान पं. गणेश्वर शास्त्री द्राविड़, जगजीतन पांडेय, प्रो. उपेंद्र त्रिपाठी, पुष्पा तिवारी मौजूद रहीं। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने सभागार में लगी प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

दुर्गाकुंड में शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम शुभारंभ करते मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व अन्य अतिथि। संवाद

महाराष्ट्र के हर जिले में खुलेगा यह केंद्र

वाराणसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि काशी की तर्ज पर महाराष्ट्र के हर जिले में शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र खुलेगा। थाणे में एक बड़े केंद्र के तौर पर इसकी शुरुआत की जाएगी। इससे हमारे प्राचीन ग्रंथ, वेद और पांडुलिपियों का संरक्षण हो सकेगा। यह हमारे लिए बहुत ही गौरव की बात है कि हमारे प्राचीन ग्रंथों एवं वेदों की धरोहर को बचाने और संरक्षित करने की पहल की जा रही है। हमारे प्रधानमंत्री हमारे देश को विश्वगुरु बनाना चाहते हैं। इसमें शास्त्र संग्रहालय और अनुसंधान केंद्र, हमारे प्राचीन वेद व ग्रंथों का बहुत बड़ा योगदान होगा। उन्होंने कहा सनातन का विरोध करना दुर्भाग्यपूर्ण है और जो भी इसका विरोध करता है, मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं।

बाबा के दरबार में आकर गदगद हो गया मन : *उपमुख्यमंत्री शिंदे शुक्रवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे। उन्होंने बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन और अभिषेक किया। मंदिर के अर्चकों ने षोडशोपचार पूजन कराया। वह विश्वनाथ कॉरिडोर की भव्यता देखकर मंत्र मुग्ध नजर आए। डिप्टी सीएम ने कहा कि बाबा के दरबार में आकर मन गदगद हो गया। थूरे*

शास्त्र और शस्त्र की संयुक्त शक्ति से ही भारत बनेगा विश्व का गुरु : एकनाथ शिंदे

जागरण संवाददाता, वाराणसी : "शास्त्र और शस्त्र की संयुक्त शक्ति से ही भारत को पुनः विश्वगुरु बनाया जा सकता है। मेरा मानना है कि शास्त्र भी एक तरह के शस्त्र ही हैं। हमारे प्राचीन पारंपरिक ज्ञान के ग्रंथ जो हमें जीवन जीने की पद्धति और दर्शन सिखाते हैं, मानवता का पाठ पढ़ाते हैं, उनका डिजिटाइजेशन और संरक्षण होना ही चाहिए। ये बातें महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहीं। वह शुक्रवार को धर्मसम्राट करपात्री महाराज की तपोस्थली धर्मसंघ के सभागार में शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र के शुभारंभ पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि काशी में इस प्रकार की पहल भारत की सांस्कृतिक आत्मा को पुनः जाग्रत करने वाली है। यह संस्थान केवल एक संग्रहालय नहीं, बल्कि सनातन जीवन दृष्टि का प्रतीक बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास और विरासत दोनों के संतुलन से आगे बढ़ रहा है। ग्रंथों का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आधुनिक विज्ञान और वेद विज्ञान एक ही सिक्के के दो पहलू हैं केवल डिजिटल करके काम पूरा नहीं होगा बल्कि वेदों के ज्ञान को समाज के लिए उपयोगी बनाना पड़ेगा, इसके लिए उसे समाज तक पहुंचाना पड़ेगा। आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का जमाना है, इन तकनीकों के माध्यम से पुरा ज्ञान को आगे बढ़ाकर युवाओं को अपनी संस्कृति के ज्ञान से जोड़ना होगा। सरकार और समाज संयुक्त भागीदारी से यह कार्य अपने उद्देश्यों को प्राप्त करेगा।.

कार्यक्रम के आरंभ में संस्थापक सनातनी रामानंद तिवारी ने केंद्र की संकल्पना प्रस्तुत करते हुए कहा, "शाश्वत ही सनातन है और सनातन ही शाश्वत। जब तक हम शास्त्रों से नहीं जुड़ेंगे, आत्मज्ञान की यात्रा अधूरी रहेगी। विशिष्ट अतिथि आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहा, "यह संग्रहालय आम जनमानस विशेषकर युवाओं को शास्त्रों के प्रति आकर्षित करने में सहायक सिद्ध होगा। शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र के अध्यक्ष भुजंग बोबडे ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा, "काशी युगों से ज्ञान, साधना और दर्शन का केंद्र रही है। इस संग्रहालय की स्थापना शोधार्थियों और संस्कृत विद्वानों के लिए एक अमूल्य धरोहर सिद्ध होगी।

कार्यक्रम में ख्यात ज्योतिषाचार्य व वैदिक विद्वान पद्मश्री पं. गणेश्वर शास्त्री, धर्मसंघ के महामंत्री पं. जगजीतन पांडेय, वैदिक विज्ञान केंद्र बीएचयू के पूर्व समन्वयक प्रो. उपेंद्र त्रिपाठी, प्रो. मारुतिनंदन तिवारी, कलाविद राधाकृष्णन गणेशन, पुष्पा तिवारी आदि बहुत से विद्वान, संन्यासी, शोधकर्ता और संस्कृति प्रेमी उपस्थित थे।

ग्रंथ प्रदर्शनी का किया उद्घाटन और अवलोकन: कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दुर्लभ ग्रंथों पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में विज्ञान भैरवकल्प (शारदा लिपि), शिवपूजाविधि, बीजक (त्रिधा), ऋग्वेद संहिता (सर्ग 1–8), सामवेद, ऐतरेय ब्राह्मण, केनोपनिषद, हनुमत संहिता, आर्यभटीय, विवेक मार्तण्ड (गोरक्षशत),, वशिष्ठ स्मृति, तंत्रसार कर्मप्रकाश सहित अनेक दुर्लभ पांडुलिपियां प्रदर्शित की गई हैं।

दुर्गाकुंड स्थित धर्म संघ शिक्षा मंडल में शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र का फीता काटकर शुभारंभ करते महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, सनातनी रामानंद तिवारी, पद्मश्री गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ व अन्य ● जागरण

हिंदी के मुद्दे पर जनता की सुनकर उसके हित में निर्णय लेगी महाराष्ट्र सरकार

महाराष्ट्र में त्रिभाषा फार्मूले के अनुसार हिंदी को प्राथमिक कक्षा से अनिवार्य करने को लेकर विपक्षी पार्टियों के विरोध आंदोलन पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सीधे-सीधे कुछ भी कहने से बचते नजर आए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को हमारी सरकार देख रही है। मेरी मुख्यमंत्री से बात हुई है। मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री और हम सब बैठकर इस मुद्दे को देखेंगे। हमारी सरकार जनता की सरकार है, जनता की राय ली जाएगी। जिसकी जो आपत्तियां होंगी, सुनी जाएंगी, लोगों से सुझाव लिए जाएंगे। जो जनता के हित में होगा, विद्यार्थियों के हित में वैसा निर्णय लिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बाबा श्रीकाशी विश्वनाथ के दरबार भी गए। वहां बाबा का दर्शन-पूजन किया।

प्राचीन ग्रंथों के डिजिटलीकरण से भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने की पहल-एकनाथ शिंदे

काशी में शास्त्र संग्रहालय एवंअनुसंधान केंद्र का शुभारंभ

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि वेद, उपनिषद, पुराण, शास्त्र आदि प्राचीन ग्रंथों का डिजिटलीकरण कर उन्हें जनसामान्य तक पहुंचाना प्रधानमंत्री मोदी के विकास और विरासत के मंत्र का प्रमाण है। उन्होंने इसे केवल ग्रंथों के संग्रहण का कार्य नहीं, बल्कि भारत को पुनः ज्ञान का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में ठोस पहल बताया। शुक्रवार को दुर्गाकुंड स्थित धर्मसंघ सभागार में शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र का भव्य शुभारंभ करते हुए शिंदे ने कहा कि यह केंद्र भारत की सनातन संस्कृति, शाश्वत परंपरा और एकता का प्रतीक बनेगा। उन्होंने बाबा विश्वनाथ और मां गंगा को नमन करते हुए कहा कि काशी से शुरू हुई यह 'ज्ञान यात्रा' अब पूरे देश में सनातन चेतना का प्रसार करेगी। उन्होंने कहा कि हिंदू कोई धर्म नहीं, बल्कि सर्वसमावेशी समाज निर्माण की अवधारणा है, जिसे यह पहल और सशक्त बनाएगी। कार्यक्रम में शास्त्र संग्रहालय के संस्थापक रामानंद तिवारी ने कहा कि शाश्वत ही सनातन है और सनातन ही शाश्वत है। आत्म-

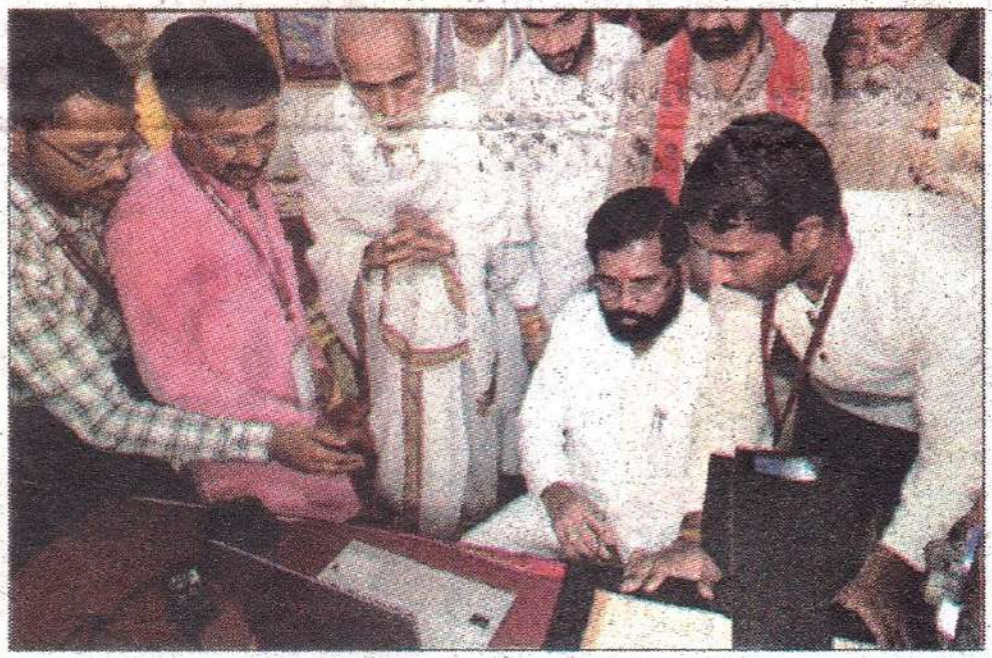

ज्ञान की यात्रा शास्त्रों से जुड़कर ही संभव है। उत्तर प्रदेश के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने इस संग्रहालय को जनमानस को शास्त्रों की ओर आकर्षित करने वाला प्रयास बताया। शास्त्र संग्रहालय के अध्यक्ष भुजंग बोबडे ने कहा कि काशी ज्ञान की राजधानी है और यहां से यह केंद्र खुलना एक ऐतिहासिक क्षण है। कार्यक्रम में देशभर से विद्वान, संन्यासी, शोधकर्ता और संस्कृत प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतिम चरण में एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ, जिसमें विज्ञान भैरवकल्प, शिवपूजाविधि, ऋग्वेद संहिता, सामवेद संहिता, केनोपनिषद, हनुमत संहिता, आर्यभट्टीय, गोरक्षशतक, वशिष्ठ स्मृति, तंत्रसार, शारंगधर संहिता आदि जैसे दुर्लभ और प्राचीन ग्रंथों को प्रदर्शित किया गया।

अज्ञानता मिटाने वाले हैं हमारे शास्त्र

वाराणसी, मुख्य संवाददाता। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा वैदिक ज्ञान हमारे लिए महत्वपूर्ण है। इसके बल पर ही भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार होगा। वह शुक्रवार को देश के पहले शास्त्र संग्रहालय और अनुसंधान केंद्र का शुभारंभ करने काशी आए थे।

खराब मौसम के कारण विलंब से पहुंचने के लिए क्षमायाचना करते हुए दुर्गाकुंड स्थित धर्मसंघ परिसर में हुए आयोजन में उन्होंने कहा कि हमारी प्राचीन संस्कृति, हमारे धार्मिक ग्रंथों का जतन होना चाहिए। मुझे विश्वास है कि करपात्रीजी की साधना स्थली से शुरू हुआ यह कार्य विश्व के लिए कल्याणकारी होगा। शास्त्र और शस्त्र में छोटा सा अंतर है। मैं मानता हूं कि शास्त्र भी एक शस्त्र है जो अज्ञानता दूर करता हैं। उन्होंने कहा कि हमारे वेद और आधुनिक विज्ञान एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। इनको डिजिटलाइज करके ही काम पूरा नहीं होगा। बल्कि वेदों के ज्ञान समाज तक पहुंचाना होगा।

इनकी रही उपस्थितिः मंच पर पद्मश्री गणेश्वर शास्त्री, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ.दयाशंकर मिश्र दयालु, शास्त्र संग्रहालय और अनुसंधान केंद्र के संस्थापक रामानंद तिवारी, बीएचयू के प्रो. उपेंद्र त्रिपाठी, धर्मसंघ शिक्षा मंडल के सचिव पं. जगजीतन पांडेय, भुजंग बोबडे रहे।

ग्रंथों की प्रदर्शनी का उद्घाटन कियाः महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने दुर्लभ ग्रंथों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया। प्रदर्शनी में विज्ञान भैरवकल्प (शारदा लिपि), शिवपूजाविधि, बिजक (त्रिधा), ऋग्वेद संहिता (सर्ग 1-8), सामवेद, ऐतरेय ब्राह्मण, केनोपनिषद, हनुमत संहिता, आर्यभटीय, विवेक मार्तण्ड, वशिष्ठ स्मृति सहित अनेक पांडुलिपियों का समावेश किया गया है।

दुर्गाकुंड स्थित धर्मसंघ सभागार में शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र का शुक्रवार को फीता काटकर शुभारंभ करते महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे।

आरएसएस राष्ट्रभक्ति का प्रतीक

एकनाथ शिंदे ने कहा कि आरएसएस राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। जब भी कोई आपत्ति आती है तो स्वयंसेवक सेवा के लिए पहुंच जाते हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत को भी नमन करता हूं। देशभक्ति की जागृति और हिन्दुत्व के प्रति उनका प्रेम सभी के लिए प्रेरणादायी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक रूप से भारत को मजबूत किया है। राम मंदिर बनवाकर और कश्मीर से धारा 370 हटाकर प्रधानमंत्री ने बाला साहेब ठाकरे का सपना भी पूरा किया है।

शास्त्र-शस्त्र की संयुक्त शक्ति से ही भारत बनेगा विश्वगुरु

वाराणसी (एसएनबी)। भारतीय शास्त्रीय विरासत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से 'शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र' का भव्य उद्घाटन शुक्रवार को हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की प्रेरणा से स्थापित इस केंद्र का लोकार्पण महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया।

दुर्गाकुंड स्थित श्री धर्मसंघ सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बाबा विश्वनाथ और मां गंगा को नमन करते हुए कहा कि काशी में इस प्रकार की पहल भारत की सांस्कृतिक आत्मा को पुनः जाग्रत करने वाली है। यह संस्थान केवल एक संग्रहालय नहीं, बल्कि सनातन जीवन दृष्टि का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास और विरासत-दोनों के संतुलन से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि शास्त्र और शस्त्र की संयुक्त शक्ति से ही भारत को पुनः विश्वगुरु बनाया जा सकता है। ग्रंथों का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्य से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देता हूं। महाराष्ट्र के हर जिले में वेद व पुरातन धार्मिक ग्रंथों का डिजिटलीकरण होगा। इसी तरह थाणे में भी बड़ा केन्द्र खोला जाएगा।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शास्त्र संग्रहालय व अनुसंधान केंद्र का किया उद्घाटन

केन्द्र को भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण व प्रसार की दिशा में बताया ऐतिहासिक पहल

सनातन ही शाश्वत : कार्यक्रम के आरंभ में संस्थापक रामानंद तिवारी ने केंद्र की संकल्पना प्रस्तुत करते हुए कहा, कि शाश्वत ही सनातन है और सनातन ही शाश्वत। जब तक हम शास्त्रों से नहीं जुड़ेंगे, आत्मज्ञान की यात्रा अधूरी रहेगी। आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहा कि यह संग्रहालय आम जनमानस विशेषकर युवाओं को शास्त्रों के प्रति आकर्षित करने में सहायक सिद्ध होगा। शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र के अध्यक्ष भुजंग बोबडे ने कहा कि काशी युगों से ज्ञान, साधना और दर्शन का केंद्र रही है। इस संग्रहालय की स्थापना शोधार्थियों और संस्कृत विद्वानों के लिए एक अमूल्य धरोहर सिद्ध होगी।

उपमुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का भी किया उद्घाटन : कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दुर्लभ ग्रंथों पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में विज्ञान भैरवकल्प (शारदा लिपि), शिवपूजाविधि, बीजक (त्रिधा), ऋग्वेद संहिता (सर्ग 18), सामवेद, ऐतरेय ब्राह्मण, केनोपनिषद, हनुमत संहिता, आर्यभटीय, विवेक मार्तण्ड (गोरक्षशत), वशिष्ठ स्मृति, तंत्रसार कर्मप्रकाश सहित अनेक दुर्लभ पांडुलिपियों का समावेश किया गया। यह केंद्र प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण के साथ-साथ उनके डिजिटलीकरण, शोध, व्याख्या, भाषांतर और समाज तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न आधुनिक संसाधनों से युक्त होगा। यह आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा के पुनरुत्थान की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

डिप्टी सीएम ने बाबा दरबार लगायी हाजिरी

वाराणसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शुक्रवार को काशी पहुंचे। आगमन पर लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं शिवसेना शिंदे गुट के कार्यकर्ताओं ने भी उनका भव्य स्वागत किया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया और विश्वनाथ धाम की भव्यता देखी। इस दौरान उन्होंने कहा कि बाबा के दरबार में आकर मन गदगद हो गया।

Maha Dy CM inaugurates Shashtra Museum & Research Centre in Kashi

TIMES NEWS NETWORK

Varanasi: Maharashtra's deputy Chief Minister Eknath Shinde on Friday inaugurated the Shashtra (Scripture) Museum and Research Centre at the Dharmasangh auditorium, Shri Swami Karpatri Ji Maharaj Ashram, Shri Dharmasangh Math Temple, Durgakund.

The centre aims to preserve, digitise, and disseminate India's ancient textual heritage to society with the help of modern technology.

Speaking on the occasion, Shinde said that he felt connected to the ancient knowledge tradition through this programme. He stated that the institution of Dharmasangh is not just a temple but a symbol of Indian culture and unity representing the Sanatan culture and lifestyle.

TOI

Maha Dy CM Eknath Shinde at Dharmasangh auditorium on Friday

Highlighting Prime Minister Narendra Modi's visionary aspect, Shinde said that he has given the message of development and heritage.

"Our country is on the path to become a world leader with both weaponry and scriptural wealth. For this, the govt and the society must work hand in hand," he said, adding that Sanatan Hinduism, imbued with the spirit of 'Vasudhaiva Kutumbakam,' a foundation for building an inclusive society.

Uttar Pradesh AYUSH minister Dayashankar Mishra 'Dayalu' said that the museum for scriptures will attract people in the coming days.

The founder Sanatani Ramanand Tiwari said that self-knowledge is possible only by connecting with the scriptures. The President of the Centre Bhujang Bobde said Kashi is a major centre for the pursuit of knowledge. Shinde also inaugurated an exhibition of ancient texts and books.